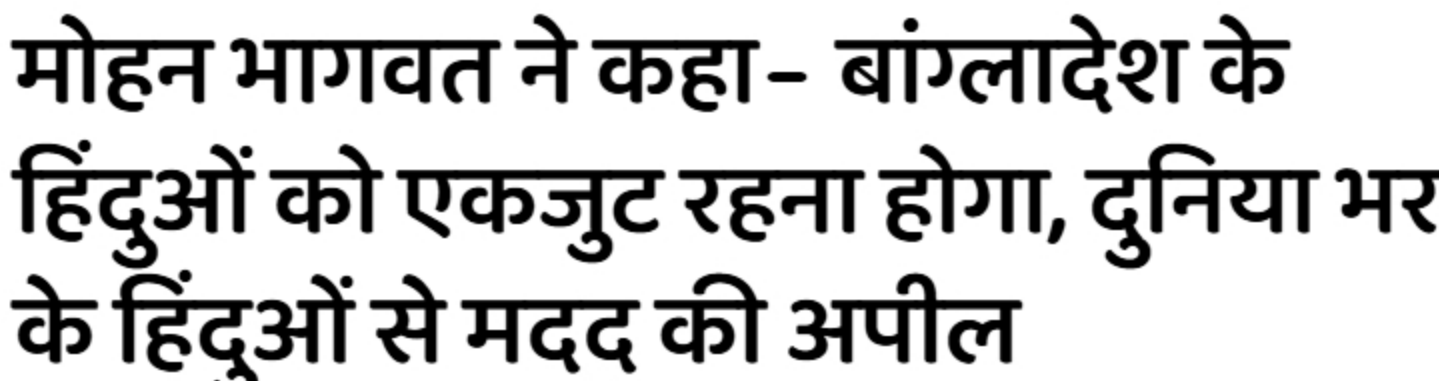
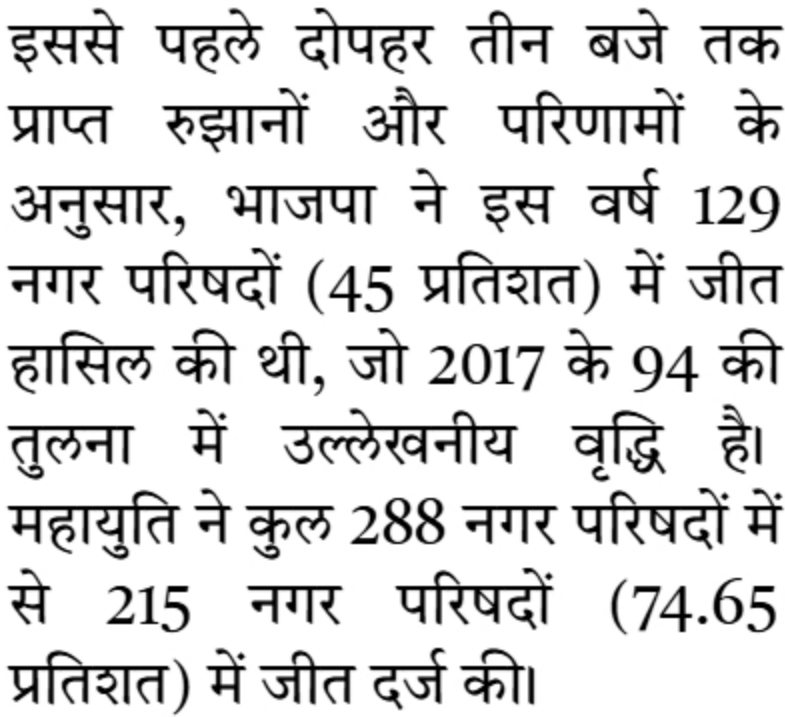




एकजुट हो जाए तो बंगाल की स्थिति में बदलाव लाना ज्यादा कठिन नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ का मुख्य उद्देश्य सामाजिक परिवर्तन और एकता को बढ़ावा देना है, न कि सीधे राजनीतिक बदलाव। विशेष रूप से, इस बयान के बीच बालादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और एक हिंदू युवक की हत्या जैसी घटनाओं को भी ध्यान में रखा जा रहा है, जिसमें अभी तक कई लोगों को हिरासत में लिया गया है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव परिणाम: पीएम मोदी ने विजय पर जनता को संबोधित किया खास संदेश



महायुति के पदाधिकारियों को सराहा
प्रधानमंत्री ने कहा, "यह जनकेंद्रित
विकास के हमारे दृष्टिकोण में विश्वास
को दर्शाता है।

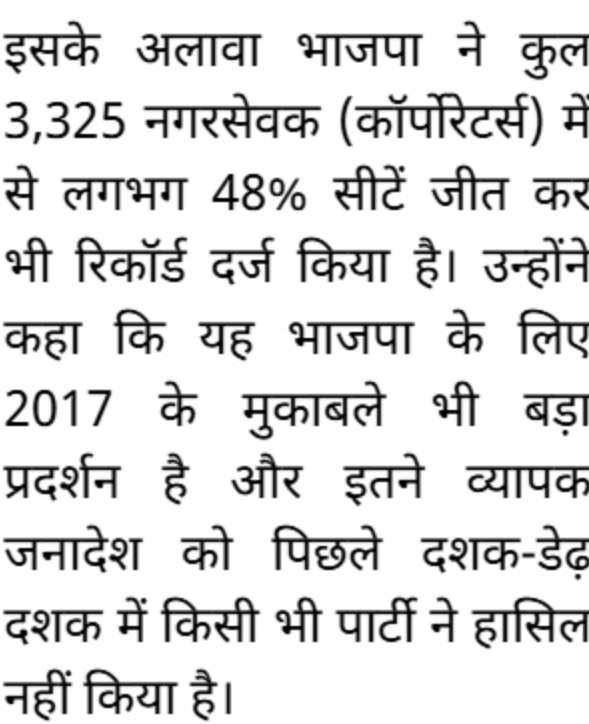
हम राज्य भर के प्रत्येक नागरिक की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई ऊर्जा के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' मोदी ने जमीनी स्तर पर किए गए अथक परिश्रम के लिए भाजपा और महायुति के पदाधिकारियों की सराहना की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

ने रविवार को 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों में भारतीय जनता पार्टी के प्रदर्शन को ऐतिहासिक जनादेश बताया है।

बीजेपी के खाते में सबसे अधिक सीटें महाराष्ट्र निकाय चुनाव में मेयर के लिए कुल 288 पदों में से BJP ने 120 पर जीत हासिल की है।

20-25 वर्षों में महाराष्ट्र के स्थानीय निकायों में अभूतपूर्व जीत – फडणवीस का दावा, भाजपा-महायुति को भारी जनादेश

जुबई | महाराष्ट्र के नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव 2025 के परिणामों के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा और उसके महायुति सहयोगी गठबंधन की जीत को राज्य के इतिहास में 20-25 वर्षों में सबसे बड़े विजयानादेश के रूप में बताया है। उन्होंने कहा कि इस चुनावी फलफलात ने स्पष्ट कर दिया कि भाजपा एक बार फिर महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी है और जनता ने उनके सरकार के विकास-कार्य को भारी समर्थन दिया है।



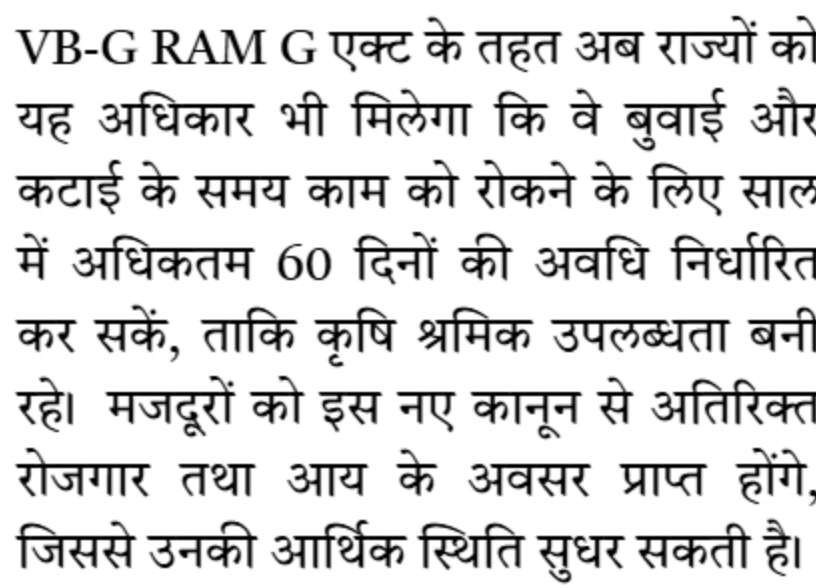
मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस जीत का श्रेय उन्होंने सकारात्मक चुनाव प्रचार और विकास मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने को दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी भी व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्वी या विपक्ष पर हमला नहीं किया और जनता ने इसी सकारात्मक संवाद को सराहा है।

इसके साथ ही फडणवीस ने अपने महायुति सहयोगी एकनाथ शिंदे और अजित पवार का भी प्रदर्शन के लिए अभिनंदन किया।

भाजपा-महायुति की यह भारी सफलता स्थानीय चुनावों को आगामी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों से पहले राजनीतिक मजबूती का संकेत भी माना जा रहा है। इससे पहले जारी रुझानों में भाजपा गठबंधन कई नगर परिषदों में बहुत बनाता दिखा रहा और विषय के लिए चुनौती का कठिन होती जा रही है। इस चुनावी विजय के बाद भाजपा और महायुति दोनों के लिए 2026 के बड़े स्थानीय निकाय चुनावों में भी उम्मीदें बढ़ गई हैं। जनता के जनादेश को पार्टी नेतृत्व ने राज्य में अपनी नीतियों और प्रशासनिक कर्पण के प्रति समर्थन का स्पष्ट संदेश बताया है।

**राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने VB-G RAM G बिल को दी मंजूरी,
ग्रामीण मजदूरों को मिलेगा लाभ**

ग्रामीण मजदूरों को मिलेगा लाभ



सरकार का दावा है कि यह कानून ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा और 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण को साकार करने में मदद करेगा। आलोचक हालांकि इसे बिल पर अलग-अलग विचार रखते हैं, लेकिन नई कानूनी संरचना से ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर के कवच का काम करती है अरावली, सुप्रीम कोर्ट के फैसले का क्यों हो रहा विरोध?

विपक्षी नेताओं ने गंभीर पर्यावरणीय नुकसान की चेतावनी दी है, जबकि बीजेपी ने इस आलोचना को गुमराह करने वाला बताया है। अरावली पहाड़ियों को लेकर ऊंचाई की नई परिभाषा

अरावली पहाड़ियों को लेकर ऊंचाई पर आधारित नई परिभाषा से 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले इलाकों में माइनिंग की इजाजत मिल सकती है। माना जा रहा है कि ये कदम दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक अरावली के इकोलॉजिकल बैलेंस के लिए नुकसानदायक साबित होगा। यह कदम 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक समिति की सिफारिशों को मंजूरी देने के बाद उठाया गया है।

क्यों अहम है अरावली पर्वत?

नई परिभाषा के अनुसार अरावली पहाड़ी नामित अरावली जिलों में कोई भी ऐसा भू-आकृति है जिसकी ऊंचाई अपने स्थानीय भू-भाग से 100 मीटर या उससे अधिक हो" और

"अरावली रेंज ऐसी दो या अधिक पहाड़ियों का समूह है जो एक-दूसरे से 500 मीटर के दायरे में हैं। एक्टिविस्टों ने बताया कि अरावली पर्वत श्रृंखला दिल्ली-NCR क्षेत्र के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच का काम करती है, जो प्रदूषण, रेगिस्तानीकरण और पानी के संकट को रोकने में अहम भूमिका निभाती है।

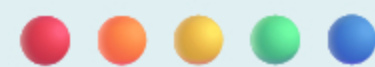
क्या कह रहे विपक्षी दल?

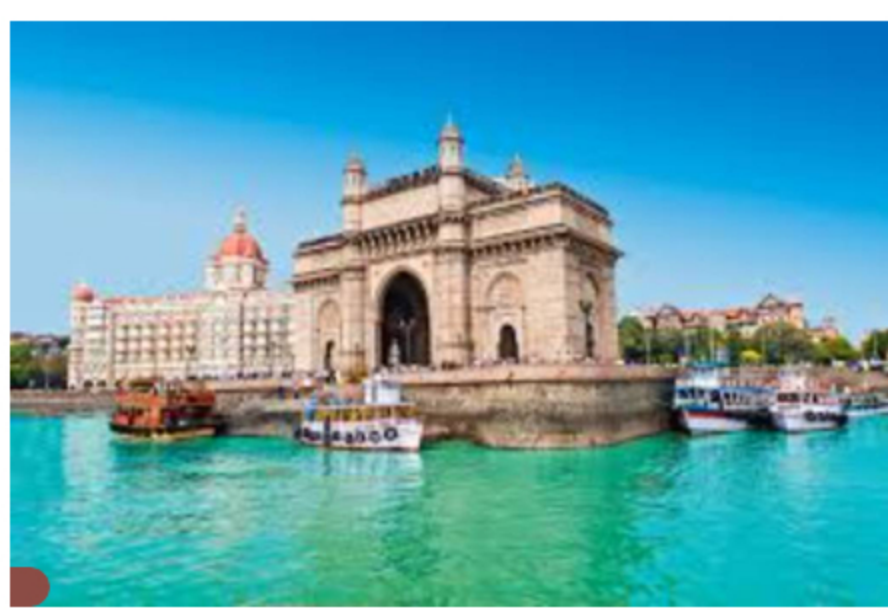
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि अरावली को बचाना दिल्ली के अस्तित्व के लिए जरूरी है, और इस पर्वत श्रृंखला को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के लिए एक प्राकृतिक ढाल बताया। उन्होंने लिखा कि अगर अरावली बची रहेगी, तो दिल्ली हरी-भरी रहेगी! अरावली को बचाना कोई विकल्प नहीं बल्कि एक संकल्प है। अखिलेश ने चेतावनी दी कि लगातार गिरावट से राजधानी में वायु प्रदूषण, जैव विविधता का नुकसान और अत्यधिक तापमान और भी खराब हो जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध क्यों?

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का बाद विरोध शुरू हो गया है। पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने हरियाणा के गुरुग्राम और राजस्थान के उदयपुर में अरावली पहाड़ियों की ऊंचाई पर आधारित नई परिभाषा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस बदलाव से देश की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक के इकोलॉजिकल संतुलन को नुकसान पहुंच सकता है।

प्रदर्शनकारियों ने बैनर और पोस्टर लिए हुए थे। उन लोगों ने 'अरावली बचाओ, भविष्य बचाओ' और 'अरावली नहीं, जीवन नहीं' जैसे नारे लगाए। पर्यावरण एक्टिविस्ट का कहना है कि संशोधित परिभाषा को मंजूरी देने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने अरावली रेंज के भविष्य को लेकर उनकी चिंताओं को और बढ़ा दिया है।





महाराष्ट्र विशेष

कोकण > पश्चिम महाराष्ट्र > मराठवाड़ा > विदर्भ



नंदिग्राम टाइम्स

Monday 22, December 2025 वर्ष - 9 , अंक 236 , पृष्ठ 03



कळमनुरी परिषद चुनाव 2025: शिंदे सेना की एकतरफा जीत, आश्लेषा चौधरी बनी नगराध्यक्ष

कळमनुरी (हिंगोली) — कळमनुरी नगर परिषद चुनाव 2025 में शिवसेना (शिंदे गुट) ने शानदार जीत हासिल की है। शिंदे सेना के उम्मीदवारों ने 13 पार्षद सीटों पर कब्जा जमाया, जिससे उन्हें परिषद में स्पष्ट बहुमत मिला। मतदान के परिणाम में नगराध्यक्ष पद पर आश्लेषा चौधरी ने 5,635 वोट पाकर प्रतिद्वंद्वी राष्टवादी कांग्रेस (अजित

पवार गुट) की नुरुनिसा बेगम (4,252 वोट) और कांग्रेस की कौसर बेगम (3,288 वोट) को पीछे छोड़ते हुए जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटस्थ प्रतिद्वंद्वी से 1,383 मतों के अंतर से बाजी मारी। भाजपा (2 सीटें), राष्ट्रवादी कांग्रेस (4 सीटें), कांग्रेस (1 सीट) और अन्य दलों के उम्मीदवारों को कम समर्थन मिला। शिंदे सेना की यह

एकतरफा विजय स्थानीय मतदाताओं के बीच उनके मजबूत संगठन और पसंद को दर्शाती है। इस परिणाम के साथ शिंदे सेना ने कळमनुरी नगर परिषद में नियंत्रण स्थापित कर लिया है और अब अपेक्षित रूप से स्थानीय विकास व प्रशासनिक मुद्दों पर अपना एजेंडा आगे बढ़ाएगी।



उमरखेड (यवतमाल)। उमरखेड नगरपरिषद की वर्ष 2025 की सार्वत्रिक चुनाव में जनशक्ति पैनल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नगरपरिषद की सत्ता पर मजबूत पकड़ बना ली है।

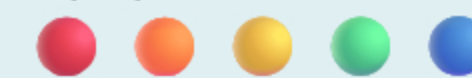
उमरखेड नगरपरिषद चुनाव 2025; जनशक्ति पैनल का दबदबा, सौ. तेजश्री संतोष जैन बनीं नगराध्यक्ष और वार्ड 12 से रसूल पटेल की ऐतिहासिक सफलता

नगराध्यक्ष पद के लिए हुए सीधे चुनाव में जनशक्ति पैनल की उम्मीदवार सौ. तेजश्री संतोष जैन ने 11,103 मत प्राप्त कर निर्णायक जीत हासिल की। उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी सौ. निधी नितीन भुतडा (भारतीय जनता पार्टी) को 10,119 मतों से संतोष करना पड़ा। अन्य उम्मीदवारों में शमीम बी. सय्यद युसुफ (एमआईएम) को 3,613, सौ. शारदा संजीवकुमार जाधव (शिवसेना शिंदे गुट) को 1,333 तथा किशोर देशमुख सरोज (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी – शरद पवार गुट) को 734 मत प्राप्त

हुए। नगरपरिषद के 13 प्रभागों में हुए चुनाव में जनशक्ति पैनल और भाजपा के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें जनशक्ति पैनल ने अधिकांश प्रभागों में जीत दर्ज की। प्रभाग 2, 3, 4, 7, 11, 12 और 13 में जनशक्ति पैनल ने स्पष्ट बढ़त बनाते हुए दोनों सीटों पर कब्जा जमाया। भाजपा को प्रभाग 1, 8 और 10 में सफलता मिली, जबकि कुछ प्रभागों में दोनों दलों के उम्मीदवार विजयी हुए। प्रभाग 1 में बराबरी के बाद ईश्वर चिट्टी के माध्यम से भाजपा को एक

सीट पर जीत मिली, जो चुनाव की रोचक घटना रही।

चुनाव परिणामों के अनुसार नगराध्यक्ष पद के साथ-साथ वार्ड स्तर पर भी जनशक्ति पैनल ने बहुमत हासिल कर नगरपरिषद में अपनी मजबूत स्थिति स्थापित की है। परिणाम घोषित होते ही शहर में जनशक्ति पैनल के समर्थकों ने जश्न मनाया। नई नगरपरिषद से नागरिकों को विकास कार्यों में तेजी की उम्मीद जताई जा रही है।



सिल्लोड नगर परिषद चुनाव 2025: सत्तार फैक्टर का दबदबा, 25 सीटों पर शिवसेना (शिंदे गुट) की जीत और अब्दुल समीर बने नगराध्यक्ष

सिल्लोड (छत्रपती संभाजीनगर), 21 दिसंबर 2025 – सिल्लोड नगर परिषद चुनाव 2025 में शिवसेना (शिंदे गुट) ने स्पष्ट बहुमत साबित किया है, जहां एक बार फिर 'सत्तार फैक्टर' ने निर्णायक भूमिका निभाई। आमदार अब्दुल सत्तार के नेतृत्व वाले शिवसेना (शिंदे गुट) ने कुल 28 नगरसेवक पदों में से 25 सीटें जीतकर भाजपा को मात्र 3 सीटों पर रोक दिया, जिससे स्थानीय राजनीति पर अपना प्रभाव कायम किया। इसके परिणामस्वरूप अब्दुल सत्तार के बेटे अब्दुल समीर ने नगराध्यक्ष (मेयर) का पद जीत लिया।

मतगणना के बाद स्पष्ट हुआ कि सत्तार परिवार की लोकप्रियता और मजबूत

स्थानीय संगठन ने भाजपा के प्रयासों को निरस्त कर दिया। भाजपा ने सिल्लोड में व्यापक प्रचार किया और केंद्र तथा राज्य स्तरीय नेताओं की भागीदारी के बावजूद मतदाताओं ने सत्तार के नेतृत्व वाली शिवसेना को समर्थन दिया। वोटों ने स्थानीय विकास, निरंतर नेतृत्व और सत्तार परिवार की साख को आगे रखते हुए शिवसेना (शिंदे गुट) को भारी बहुमत से विजय दिलाई।

नगराध्यक्ष पद की प्रत्यक्ष चुनाव में अब्दुल समीर ने भाजपा के उम्मीदवार को बड़ी मतों की कटाई से पराजित किया। समीर की जीत से सत्तार परिवार की सत्तारशाही की परंपरा सिल्लोड में और भी मजबूती

से स्थापित हो गई है। शिवसेना (शिंदे गुट) के इस रुझान ने न केवल परिषद में स्पष्ट बहुमत दिया, बल्कि भाजपा के स्थानीय प्रभाव में कमी को भी दर्शाया।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, सिल्लोड में 'सत्तार फैक्टर' का असर मतदाताओं के मन में गहरा है और स्थानीय पहचान, सत्ता-प्रशासन के कामों तथा नेतृत्व पर भरोसा इस परिणाम का मुख्य कारण रहा। आगामी स्थानीय चुनावों में भी यह फैक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।



नगर परिषद चुनाव | परळी नगर परिषद चुनाव 2025:

परळी नगर परिषद चुनाव 2025: महायुति की बड़ी जीत, पद्मश्री धर्माधिकारी बने नगराध्यक्ष, दीपक देशमुख और पत्नी की पराजय

परळी (बीड) | 21 दिसंबर 2025 – परळी नगर परिषद चुनाव 2025 में महायुति गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया है। नगराध्यक्ष (मेयर) पद के लिए हुई प्रत्यक्ष चुनाव में महायुति के उम्मीदवार पद्मश्री धर्माधिकारी ने भारी मतों से जीत दर्ज की और मेयर के रूप में निर्वाचित हुए। धर्माधिकारी को कुल 28,091 वोट मिले, जबकि उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) की संध्या देशमुख को 12,429 वोट मिले। तीसरे नंबर पर सय्यद मैमुना हनीफ रही, जिन्हें 8,552 वोट मिले। महायुति के विस्तार और मजबूत संगठन के कारण यह जीत संभव हो सकी। इस चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों के लिए बड़ी चुनौतियाँ रहीं।



विवादित दीपक देशमुख और उनकी पत्नी दोनों इस चुनाव में हार माननी पड़ी, जिससे यह चुनाव उनके लिए हार की वजह बन गया। यह हार स्थानीय राजनीति में विपक्ष के लिए स्पष्ट झटका साबित हुई है।

नगरपरिषद के कुल 35

नगरसेवक (पार्षद) पदों में महायुति ने अपना दबदबा बरकरार रखा, जहां महायुति के उम्मीदवारों ने सबसे अधिक सीटें जीतीं। इसके अलावा निर्दलीय तथा अन्य छोटे दलों के उम्मीदवार भी कुछ सीटें पाने में सफल रहे हैं। परिणामों के अनुसार, राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) ने

भी नगर परिषद में कुछ प्रतिनिधित्व हासिल किया, जबकि भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के प्रतिनिधियों को कम समर्थन मिला। ताकि महायुति गठबंधन को नगर परिषद में निर्णायक बहुमत मिलता दिख रहा है।

इस जीत के बाद महायुति नेताओं ने इसे जनता के विकास-प्रमुख एजेंडे और स्थानीय नेतृत्व की मजबूती का परिणाम बताया है। वहीं विपक्ष ने इस आरोही रुझान की समीक्षा करने और संगठनात्मक पुनर्गठन की आवश्यकता जताई है।

यह चुनाव 2025 के स्थानीय निकाय निर्वाचनों में महायुति की राजनीतिक ताकत और स्थानीय स्तर पर उसकी पकड़ को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

हिंगोली: प्रज्ञा सातव का पक्ष परिवर्तन-विकास पर जोर, "गांधी परिवार मेरा दैवत है पर भाजपा जरूरी"

हिंगोली, 22 दिसंबर 2025 – हिंगोली की कांग्रेस की पूर्व सदस्य और महाराष्ट्र विधान परिषद की पूर्व आमदार प्रज्ञा सातव ने हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया है और इसके पीछे अपने विकास एजेंडे को प्रमुख कारण बताया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने भाजपा में इसलिए प्रवेश किया है ताकि हिंगोली जिले के विकास को तेज़ गति मिल सके, और यह कदम उन्होंने किसी नाराज़गी के चलते नहीं बल्कि सिर्फ विकास के उद्देश्य से उठाया है।

प्रज्ञा सातव ने स्पष्ट किया कि वे कभी भी गांधी परिवार के प्रति आभारी भाव नहीं भूलेंगी — उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कठिन समय में उनके परिवार का समर्थन किया और वे उन्हें "दैवत" मानती हैं। लेकिन

"गांधी परिवार मेरा दैवत है पर भाजपा जरूरी"



राजनैतिक फैसले में उनका फोकस विकास को लेकर रहा है। सातव ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की आग्रह और जिला हित को ध्यान में रखकर उन्होंने यह निर्णय लिया है। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि आगे भाजपा पार्टी उन्हें जो भी जिम्मेवारी सौंपेगी, वे उसे ईमानदारी से पूरा करेंगी।

भाजपा नेता तान्हाजी मुटकुळे ने प्रज्ञा का पार्टी में स्वागत किया और कहा कि

सातव के सम्मिलन से हिंगोली में भाजपा की ताकत और व्यापक समर्थन मिलेगा। बड़े पैमाने पर पदाधिकारी और कार्यकर्ता इस स्वागत कार्यक्रम में मौजूद थे। प्रज्ञा सातव का यह कदम स्थानीय तथा राज्य स्तर की राजनीति में बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर 2026 के आगामी चुनावों से पहले।



नांदेड-लोहा नगरपरिषद: भाजपा को बड़ा झटका, एक परिवार के 6 उम्मीदवारों की हार



संवाददाता |

नांदेड जिले के लोहा नगरपरिषद चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को भारी राजनीतिक झटका लगा है, जब पार्टी के द्वारा एक ही परिवार के छह उम्मीदवारों को टिकट देने की रणनीति मतदाताओं ने पूरी तरह नकार दी।

भाजपा ने नगराध्यक्ष पद के लिए गजानन सूर्यवंशी को मैदान में उतारा था, वहीं उनके परिवार के अन्य सदस्यों- पत्नी गोदावरी सूर्यवंशी, भाई सचिन सूर्यवंशी, भाभी सुप्रिया सूर्यवंशी, भतीजे युवराज वाघमारे तथा भांजे की पत्नी रीना अमोल व्यवहारे को पार्षद पद के लिए टिकट दिया गया। हाल में घोषित परिणामों के अनुसार, इन सभी छह परिवार के उम्मीदवारों को करारी

हार का सामना करना पड़ा, जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के उम्मीदवार ने लोहा नगरपरिषद के अध्यक्ष के पद पर जीत दर्ज की।

विश्लेषकों के मुताबिक, मतदाताओं ने इस रणनीति को घरानादारी-राजनीति के रूप में देखा और उसे बहुफलक से नकार दिया। नतीजों से भाजपा के स्थानीय स्तर पर अपनाए गए टिकट वितरण नीति पर सवाल उठने लगे हैं। इस हार के बाद राजनीतिक माहौल में बदलाव की चर्चा तेज़ हो गई है और स्थानीय नेताओं के बयान भी मीडिया में प्रमुख रहे हैं।

नगरपालिका चुनाव | कांग्रेस की दमदार वापसी, शेख रफिक बने नगराध्यक्ष

हिमायतनगर नगरपालिका चुनाव 2025: कांग्रेस का परचम, शेख रफिक बने नगराध्यक्ष

हिमायतनगर (नांदेड) | हिमायतनगर नगरपंचायत के वर्ष 2025 के चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। कांग्रेस ने लगातार दूसरी बार नगरपंचायत की सत्ता पर कब्जा जमाकर अपनी राजनीतिक मजबूती सिद्ध की है। प्रत्यक्ष रूप से हुए नगराध्यक्ष पद के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी शेख रफिक सेठ शेख महेबुब ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को बड़े अंतर से पराजित कर नगराध्यक्ष पद पर विजय प्राप्त की।

रविवार, 21 दिसंबर को शांतिपूर्ण माहौल में मतदान संपन्न हुआ, जिसके बाद मतगणना की प्रक्रिया पूरी की गई। आधिकारिक परिणामों के अनुसार शेख रफिक सेठ को कुल 6,650 मत प्राप्त हुए, जबकि भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार डॉ. राजेंद्र वानखेडे को 4,281 मत मिले। इस प्रकार कांग्रेस प्रत्याशी ने 2,569 मतों के निर्णायक अंतर से शानदार जीत दर्ज की।



परिणाम घोषित होते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह और खुशी का वातावरण देखने को मिला।

नगरपंचायत की कुल 17 सीटों में से कांग्रेस ने 8 सीटों पर विजय प्राप्त की। भारतीय जनता पार्टी को 3 सीटें मिलीं। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) ने 3 सीटों पर जीत दर्ज की, शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) को 2 सीटें प्राप्त हुईं, जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद

पवार गुट) को 1 सीट पर सफलता मिली। इस जनादेश को स्थानीय मतदाताओं द्वारा विकास कार्यों, स्थानीय मुद्दों और स्थिर प्रशासन के समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।

विजय के उपरांत चुनाव निर्णय अधिकारी एवं तहसीलदार पल्लवी टेमकर ने नवनिर्वाचित नगराध्यक्ष शेख रफिक सेठ सहित सभी निर्वाचित नगरसेवकों को विजय प्रमाणपत्र प्रदान किए और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

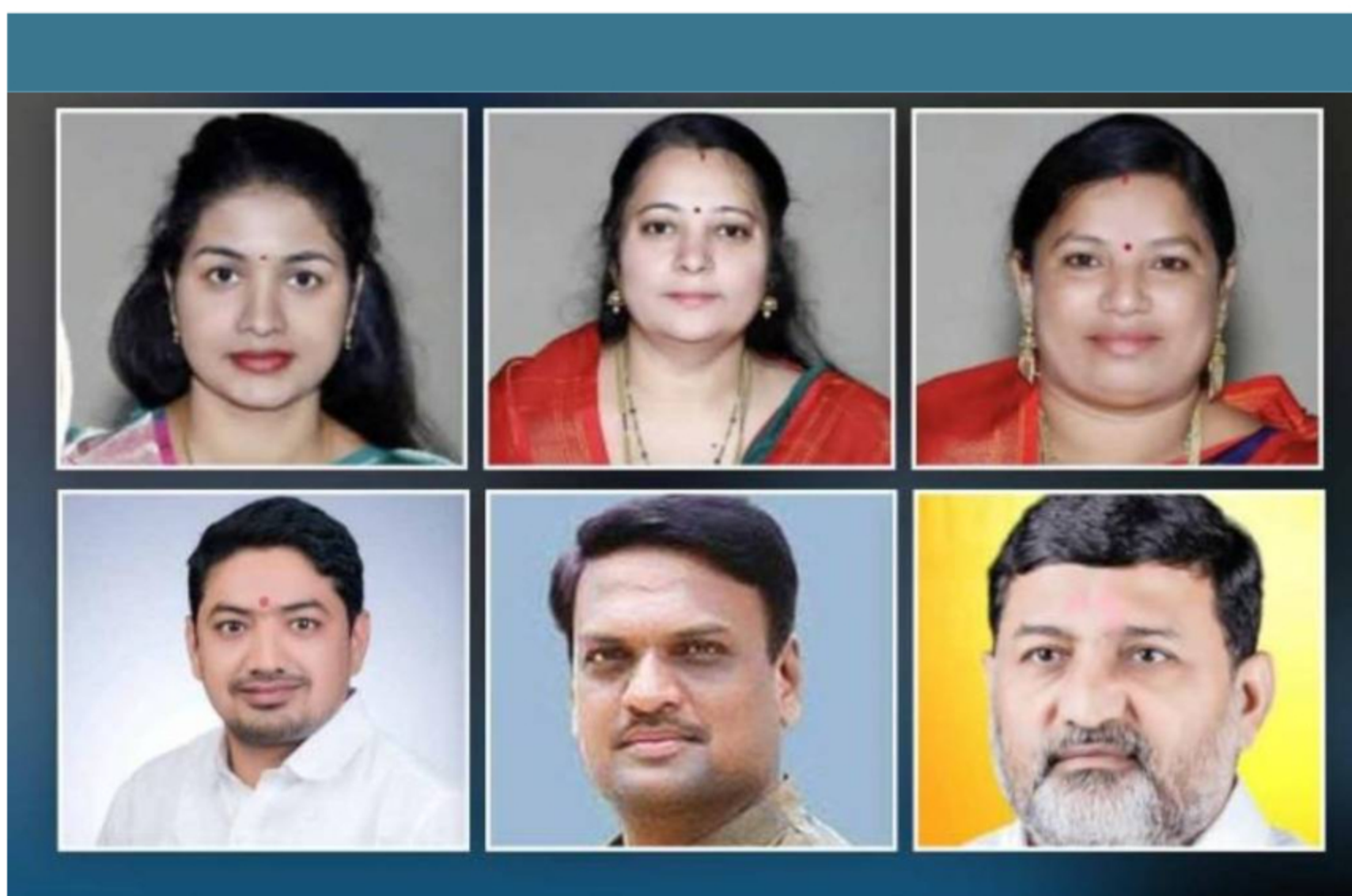
पूर्व विधायक माधवराव पाटिल जवलागांवकर की निर्णायक भूमिका इस चुनाव में कांग्रेस की सफलता के पीछे पूर्व विधायक माधवराव पाटिल जवलागांवकर की भूमिका को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हिमायतनगर तालुका में उनके मजबूत जनाधार और सक्रिय नेतृत्व के कारण संगठन को मजबूती मिली। उन्होंने चुनाव के दौरान व्यापक जनसंपर्क किया और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखा, जिसका सीधा लाभ कांग्रेस को मिला।

राजनीतिक पृष्ठभूमि चुनाव में भाजपा ने भी पूरी ताकत झोंकी थी। पार्टी की ओर से वरिष्ठ नेताओं की सभाएं आयोजित की गईं, वहीं शिवसेना (शिंदे गुट) के नेताओं ने भी मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास किया। इसके बावजूद मतदाताओं ने विकास, स्थानीय मुद्दों और भरोसेमंद नेतृत्व को प्राथमिकता देते हुए कांग्रेस के पक्ष में स्पष्ट फैसला सुनाया।

लोहा नगर परिषद चुनाव 2025: भाजपा को घराणेशाही का झटका, सभी 6 परिवार के उम्मीदवार हार गए

नांदेड जिले के लोहा नगर परिषद चुनाव 2025 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा जब पार्टी ने एक ही परिवार के छह उम्मीदवारों को मैदान में उतारा, लेकिन सभी का पराजय हो गया। भाजपा ने 'घराणेशाही समाप्त करें' का नारा दिया था, वहीं उसी रणनीति के कारण पार्टी को मतदाताओं से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

भाजपा के लिए नगराध्यक्ष पद पर गजानन सूर्यवंशी तथा नगरसेवक पद पर उनके परिवार के अन्य छह सदस्यों- पत्नी गोदावरी सूर्यवंशी, भाई सचिन सूर्यवंशी, भाभी सुप्रिया सूर्यवंशी, भतीजा युवराज वाघमारे और भांजे की पत्नी रीना अमोल व्यवहारे को टिकट दिया गया था, लेकिन मतदाताओं ने इन सभी को हार का सामना कराया।



इस चुनाव में प्रतापराव पाटील चिखलीकर के नेतृत्व में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) ने नगराध्यक्ष पद समेत 17 सीटों पर विजय पाई है, जबकि शिवसेना और कांग्रेस को भी एक-एक सीट मिली है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मंत्री पंकजा मुंडे और अन्य वरिष्ठ नेताओं की रैलियों के बावजूद

भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, जिससे स्थानीय स्तर पर पार्टी का प्रभाव कम नजर आ रहा है। इस परिणाम से भाजपा के टिकट वितरण और घराणेशाही नीति पर प्रश्न उठने लगे हैं और यह मुद्दा राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है।

मुखेड नगर परिषद चुनाव 2025: मुख्यमंत्री की सभा बेअसर, शिवसेना (शिंदे गुट) की देबडवार जीती नगराध्यक्ष की जंग



नांदेड जिले के मुखेड नगर परिषद चुनाव 2025 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है, जब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सभा और प्रचार के बावजूद भाजपा का प्रत्याशी मेयर पद जीत नहीं सका।

भाजपा के विजया स्पष्ट बहुमत हासिल किया है, लेकिन सीधे मतदान वाले नगराध्यक्ष पद पर जनता ने शिंदे सेना को प्राथमिकता चुना, जिससे यह स्पष्ट होता है कि स्थानीय नेतृत्व और प्रत्याशियों की लोकप्रियता चुनाव परिणामों में निर्णायक रही। इस परिणाम से स्पष्ट है कि स्थानीय निकाय चुनावों में राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रचार के बावजूद स्थानीय मुद्दे और पहचान का बड़ा प्रभाव रहता है, और दोनों प्रमुख दलों के लिए यह आगामी चुनावों की रणनीति पर पुनर्विचार का संकेत देता है।

मुख्यमंत्री की प्रभावी सभाओं और प्रचार के बावजूद मतदाताओं ने शिवसेना के उम्मीदवार को शीर्ष पद के लिए चुना, जो स्थानीय समर्थन और लोकप्रियता के चलते सफल रहा। भाजपा ने नगरसेवक (पार्षद) चुनाव में 14 सीटें जीतकर सभागृह में नगरसेवकों की संख्या

में बढ़त हासिल की है, लेकिन स्थानीय मतदाताओं ने मेयर पद के लिए अलग विकल्प चुना, जिससे यह स्पष्ट होता है कि स्थानीय नेतृत्व और प्रत्याशियों की लोकप्रियता चुनाव परिणामों में निर्णायक रही। इस परिणाम से स्पष्ट है कि स्थानीय निकाय चुनावों में राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रचार के बावजूद स्थानीय मुद्दे और पहचान का बड़ा प्रभाव रहता है, और दोनों प्रमुख दलों के लिए यह आगामी चुनावों की रणनीति पर पुनर्विचार का संकेत देता है।

रोहा स्थानीय निकाय चुनाव 2025: नौ साल बाद वापसी, वंश्री शेडगे बनीं नगराध्यक्ष

संवाददाता |

रोहा (रायगढ़), 21 दिसंबर 2025 - रोहा नगर परिषद चुनाव 2025 में वंश्री शेडगे ने ऐतिहासिक सफलता दर्ज की है और नगराध्यक्ष के रूप में चुनी गईं, जिससे उनका नौ साल का राजनीतिक "वनवास" समाप्त हुआ। उनके इस जीत को "बाप-बेटी" के संघर्ष का परिणाम बताया जा रहा है, क्योंकि उनके परिवार ने लंबे समय तक राजनीतिक मैदान में सक्रिय भूमिका निभाई। जनता के समर्थन से वंश्री शेडगे ने विजय हासिल की और उनके समर्थक-परिवार में इस जीत का उत्साह देखा जा रहा है।

उनके नगराध्यक्ष बनने से रोहा की राजनीति में नया दौर शुरू हुआ है और स्थानीय विकास तथा जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए वे आगे काम करेंगी। विजय के बाद शेडगे ने कहा कि यह जीत उनके अथक प्रयासों और जनता के विश्वास का परिणाम है, और वे स्थानीय विकास तथा सामाजिक मुद्दों पर जोर देंगी। यह जीत रोहा में राजनीतिक स्थिरता और वंश्री शेडगे के नेतृत्व की मजबूत पहुंच को दर्शाती है।



पुणे, 22 दिसंबर 2025 - महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव 2025 के परिणाम सामने आने के

अजित पवार का पहला रिएक्शन: "कम उमेदवारों के बावजूद नतीजे संतोषजनक, हम काम जारी रखेंगे"

बाद राज्य के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के अध्यक्ष अजित पवार ने अपना पहला औपचारिक बयान पेश किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने तुलनात्मक रूप से कम सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए, इसलिए कुल जीत-हार के आंकड़ों में संतुलन बना रहा है, लेकिन इसके बावजूद नतीजों से वे संतुष्ट हैं और पार्टी की भूमिका को सकारात्मक बताया।

अजित पवार ने कहा कि जहाँ पार्टी के पास ताकत थी वहाँ उन्होंने चुनाव लड़ा और जितने प्रभावित क्षेत्रों में पार्टी ने मैदान में उतरने का निर्णय लिया, वहाँ जनता का समर्थन मिला। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि पालकमंत्री पद की नियुक्ति का मामला अभी लंबित है, और इस पर

चर्चा/निर्णय आने की संभावना है। दर्शाता है। पत्रकारों के सवाल पर पवार ने महापालिका चुनावों में संभावित भविष्य की युति (संयुक्त चुनाव लड़ने) पर भी आसंजक टिप्पणियाँ कीं - उन्होंने शरद पवार गुट के साथ गठबंधन से पूरी तरह इनकार नहीं किया, लेकिन इस पर ठोस घोषणा से भी परहेज किया। इस बयान के बाद राज्य में आगामी महानगरपालिका चुनाव (2026) को लेकर रणनीतिक चर्चाएँ तेज़ हो गई हैं।

हाल के रिपोर्ट्स के अनुसार, पुणे जिले में NCP (अजित पवार) का मजबूत प्रदर्शन रहा है, जहाँ 17 स्थानीय निकायों में से 10 पर उनके समर्थित उम्मीदवार नगराध्यक्ष चुने गए हैं, जो पार्टी की स्थानीय पकड़ को

पवार ने यह भी कहा कि Mahayuti गठबंधन के भीतर सहयोग और "दूसरे सहयोगियों के साथ तालमेल" बनाए रखना आवश्यक है ताकि स्थानीय प्रशासन और विकास-कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ें। उन्होंने राज्य की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि "जनता विकास और स्थिरता चाहती है", और पार्टी इसी दिशा में काम जारी रखेगी। पवार के बयान से स्पष्ट है कि NCP आगामी चुनावों में रणनीति और गठबंधन पर विचार कर रही है, जबकि राज्य में राजनीतिक समीकरण और भी सक्रिय होते जा रहे हैं।

